पाठ 12

अपना प्यारा घर

नन्ही गौरैया को अंडे देने हैं। वह चाहती थी कि एक बढ़िया घोंसला बनायें। जहाँ वह सुकून से अंडे दे सके और अपने बच्चे की सुरक्षित देख–भाल कर सके। घोंसला बनाने के पहले उसने अन्य पक्षियों के घोंसलों को देखना ज़रूरी समझा। सबसे पहले वह गुट्कू कबूतर से मिली।

''गुट्कू दादा! एक बढिया घोसला बनाने के लिए मुझे तुम्हारी सलाह चाहिए।''

''घोंसले को बढ़िया बनाने में मेहनत करना तो बेकार ही है क्योंकि ज़्यादा से ज़्यादा महीनेभर के लिए ही घोंसले की ज़रूरत रहती है। मेरी तरह कहीं भी चार तिनके जमाओ और काम चलाओ।''

''यह भी कोई बात हुई?'' नन्ही ने सोचा और बिना कुछ कहे वहाँ से चली गई। रास्ते में मिट्ठू मामा से मुलाकात हुई।

''मिट्ठू मामा मुझे एक शानदार घर बनाना है। मेरी कुछ मदद करोगे?''

''बनाती क्यों हो? मेरी तरह कोई कोटर देख लो न?''

नन्ही ने कोटर में झाँककर देखा ''बाप रे, यह घर है या अँधेर कुआँ?''

इसके बाद नन्ही बया से मिली। बया बोली, ''मेरा घोंसला बेशक शानदार है, लेकिन यह तो तुम्हारे लिए बड़ा मुश्किल होगा नन्ही।''

''वैसे भी इसमें खिड़कियाँ तो हैं ही नहीं'' नन्ही ने मन–ही–मन में सोचा और दर्ज़िन के पास पहुँची।

दर्ज़िन उस समय घास के मज़बूत रेशों से पत्तों को सिलकर घोंसला बना रही थी। सूई का काम अपनी नुकीली चोंच से ले रही थी।

दर्ज़िन गर्व से नन्ही की ओर देखती हुई बोली, ''तुम्हारे लिए मेरे जैसा घोंसला बनाना तो संभव ही नहीं है क्योंकि तुम्हारे पास मेरी जैसी चोंच नहीं है। तुम बुलबुल पंडुकी और कालू कौए का घोंसला देख लो। उन्हें आसानी से बनया जा सकता है।

बुलबुल का घोंसला देखकर नन्ही बोली, ''यह तो कोई खास नहीं है।''

और कौए का घोंसला देखकर, ''इतना बड़ा घोंसला? और ऐसा कँटीला और कठोर? मेरे नाज़ुक बच्चे भला ऐसे घर में कैसे रहेंगे?''

''लेकिन अब वह समय आ गया है जब मुझे घोंसला जल्दी बना लेना चाहिए।''

क्या करूँ? कैसा घोंसला बनाऊँ? नन्ही सोच रही थी।

तभी तारों पर बैठा एक नीलकण्ठ बोला, ''तुम तो अपने तरीके से ही अपना घर बनाओ। वही सबसे अच्छा घर होगा।''

नन्ही ने वैसा ही किया और अपने घोंसले में चार अण्डे दिए। अण्डों को सेने के लिए बैठी नन्ही को लगा कि वह घोंसला ही उसका सबसे प्यारा और अनोखा घर है।

बताइए :-

1 क्या सभी पक्षियों के घोंसले एक जैसे हैं? ——————————————————

2. कहानी में किन–किन पक्षियों के घोंसलों के बारे में बात की गई है? आपको सबसे अच्छा घोंसला कौन सा लगा और क्यों?

——————————————————————————————————————

——————————————————————————————————————

——————————————————————————————————————

——————————————————————————————————————

3. सभी पक्षी अपने लिए अलग–अलग प्रकार से रहने और अंडे देने के स्थानों का चयन करते हैं। अपने मित्रों के साथ पक्षियों के रहने की जगह एवं उसे बनानेवाली सामग्री का पता लगाइए।

क्र.सं.	पक्षी का नाम	घोंसला कहाँ बना हुआ है	बनाने में लगी सामग्री का नाम
1.	कौआ		
2.	कबूतर		
3.	तोता		
4.	दर्ज़िन चिड़िया		
5.	उल्लू		
6.	गोरैया		
7.	कठफोड़वा		
8.	नीलकंठ		
9.	बया		

4. जो पक्षी आपके गाँव में रहते हैं उनके घोंसले को ढूँढ़ने की कोशिश कीजिए। उसे बिना छुए और नुकसान पहुँचाए प्रतिदिन देखिए। किसी एक घोंसले के बारे में बताइए–

(क) घोंसला किस पक्षी का है? ————————————————————

(ख) घोंसला किन–किन चीज़ों से बना है?

——

——

(ग) उसमें अंडे हैं या नहीं? हैं तो कितने हैं?————————————————

(घ) अंडों का रंग कौन सा है?————————————————————————

(च) अंडों से बच्चे कितने दिन बाद निकले? ————————————————

(छ) बच्चे कैसी आवाज़ें निकालते हैं?————————————————————

(ज) उनके पंख कितने दिन में निकले? ————————————————————

(झ) उन्होंने उड़ना कैसे सीखा?

——

——

(ट) चिड़िया अपने बच्चों को क्या–क्या खिलाती है, और कैसे खिलाती है?

——

——

5. हमारे आस–पास के जीव जन्तु विभिन्न जगहों पर रहते हैं। कुछ जीव जमीन पर तो कुछ पानी में या कुछ दोनों जगहों पर। जबकि कुछ जीव पेड़ों पर अपना निवास बनाते हैं। आप अपने आस–पास रहनेवाले जीवों की सूची इस तालिका के आधार पर बनाइए–

जमीन पर रहनेवाले	पेड़ों पर रहनेवाले	पानी में रहनेवाले	जमीन और पानी दोनों में रहनेवाले

जिस तरह विभिन्न जीव अलग–अलग जगह पर रहते हैं, उसी तरह उनके आवास भी अलग–अलग तरह के होते हैं। कुछ गुफाओं में रहते हैं कुछ बिल में। कुछ पक्षी घोंसलों में रहते हैं तो कुछ कोटर में। पता कीजिए, कौन से जीव कैसे आवास में रहते हैं?

जीव	आवास	जीव	आवास
चूहा		उल्लू	
चींटी		गीदड़	
मोर		साँप	
भालू		बंदर	

6. बहुत सारे जीव दिन में बाहर निकलते हैं और रात में अपने आवास में रहते हैं। पर कुछ जीव केवल रात में ही अपने आवास से बाहर निकलते हैं। कौन–कौन से जीव हैं जो रात में बाहर निकलते हैं? ये जीव दिन में कहाँ रहते हैं?

क्र.सं.	रात में दिखनेवाले जीव	दिन में वे कहाँ रहते हैं
1.		
2.		
3.		
4.		

परियोजना कार्य

बच्चो, आप घास–फूस एवं तिनकों की मदद से एक घोंसला बनाइए तथा उसमें रूई के दो–तीन अंडे बनाकर रखिए।